# MASA-04

## June - Examination 2026
## M.A. (Previous) Examination
## SANSKRIT
## भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण
## Paper : MASA-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

**निर्देश :–** यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड–'अ'** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश** :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) साहित्यदर्पण में कितने परिच्छेद हैं?
   (ii) साहित्यदर्पण के अनुसार वाक्य की परिभाषा बताइए।
   (iii) नाट्यशास्त्र के प्रणेता कौन हैं?
   (iv) प्रेक्षागृह के कितने प्रकार हैं? नाम लिखिए।
   (v) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं?
   (vi) भामह विरचित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ का नाम लिखिए।
   (vii) 'वाक्यपदीयम्' के प्रथम काण्ड का क्या नाम है?
   (viii) पठ् + सन् + तिप् से बनने वाले धातु रूप को लिखिए।

**खण्ड–'ब'** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश** :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी में कीजिए –

   चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
   काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते।।

   **अथवा**

   लोकोत्तरचमत्कारप्राणः कैश्चित् प्रमातृभिः।
   स्वाकारवदभिन्नत्वेनायमास्वाद्यते रसः।।

3. निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   सर्वशास्त्रार्थसम्पन्नं सर्वशिल्पप्रदर्शकम्।
   नाट्यसंज्ञमिमं वेदं सेतिहासं करोम्यहम्।।

   **अथवा**

   प्रेक्षागृहाणां सर्वेषां प्रशस्तं मध्यमं स्मृतम्।
   तत्र पाठ्यञ्च गेयञ्च सुखश्राव्यतरं भवेत्।।

4. साहित्यदर्पण के अनुसार टिप्पणी लिखो –

(i) वाक्यलक्षण

(ii) शाब्दी व्यञ्जना

5. निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।
प्रीतिं करोति कीर्तिं च साधु काव्यनिबन्धनम्।।

**अथवा**

सर्गबन्धो महाकाव्यं महत्तां च महच्च यत्।
अग्राम्यशब्दमर्थ्यं च सालंकारं सदाश्रयम्।।

6. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –

(i) सन्यङो

(ii) गुणो यङ्लुको

7. महाभाष्य के आधार पर अधोलिखित की व्याख्या कीजिए –

एकः शब्दः सम्यक्ज्ञातः शास्त्रन्वितः सुप्रयुक्तः स्वर्गे लोके च कामधुग्भवति

**अथवा**

सिद्धे शब्दार्थ सम्बन्धे

8. वाक्यपदीयम् के आधार पर निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

अनादिनिधनं ब्रह्म शब्दतत्त्वं यदक्षरम्।
विवर्ततेऽर्थभावेन प्रक्रिया जगतो यतः।।

**अथवा**

नित्यत्वे कृतकत्वे वा तेषां आदिर्न विद्यते।
प्राणिनामिव सा चैषा व्यवस्थानित्यतोच्यते।।

9. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –

(i) प्रातिपदिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा

(ii) ध्रुवमपायेऽपादानम्

## खण्ड–'स' 2×16=32

## (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश** :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. साहित्यदर्पणकार के काव्य लक्षण की समीक्षा कीजिए।
11. नाट्योत्पत्ति विषयक विविध मतों का विस्तृत विवेचन कीजिए।
12. भट्टनायक के भक्तिवाद का विस्तृत विवेचन कीजिए।
13. 'वक्रोक्ति जीवितम्' ग्रन्थ की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए।

---